

DPN 5971

Title : चाण्डिका पूजाविधि CANDIKĀ PŪJĀ VIDHI
~~(चण्डिकापूजा विधि)~~ ~~(CANDĀ MAHĀROṢANA SAMĀDHI)~~

Run. No. 6662

Cat. No.

Micro. No.

Subject धार्मिक विधि Religious Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / नेपालभाषा निर्देश रव
Newa direction

Size in cms. 15 X 6.2

Folios 19

Lines (in a page) 5/6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणिन्द्र रत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phaniendra Rātṇa

vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

रत्नाली : बुकी विष्णुपञ्च स्तुति ४ (५)

Condition : ☒ fine / ☒ damaged by worms, rats, water /

Remark : This codex also contains Viṣṇu
Pūjara stuti.

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ नमः श्री चण्डिकायै ॥ तत्का देवी महाभाया, त्रैलोक्य जननेश्वरी । स्मिता सहायका देवी नमते
विष्णुपिनी ॥ अद्यानि दुष्क पक्षं च अवस्यति तदिदि यो सो भव तत्स्य रवः स्थापयन्ति,

लिखित चोटिका विधि ॥ खण्ड सेने , मधु-पक्ववादि स्नान , श्री खण्ड तिलक , अर्घुवा (स्नान) ,
दिष्टि ते ॥ वेला नक्षत्रातसा , चिल हारे ते ॥ खण्ड देह ...
अर्घादि , दानपते जजमानस्य , श्री ३ उग्र चण्डादि , उग्र विजय स्थापन , आष्टादि पूजा विधित्वा ,
श्री सूर्य महालक्ष्म ॥

८०. चण्डिका पूजाविधि

विष्णुमहेश्वर स्तुति

प्रह्लाद पुराण वज्राम्

ॐ नमः श्री स्वर्गु काये ॥ तत्त्वा दद्या महामाया ॥ ग्लोक्
जनने दद्या ॥ किमिहानका दद्या नमस्तु विश्ववृद्धिनी ॥
॥ अगुनी गुक्ताय नमः ॥ अस्मिन्निधौ नमः ॥ गगनैवः
अस्माय कि ॥ लिखितं च लुका विधि ॥ स्वर्गु मल ॥ मधुः
यकादि स्नान ॥ श्री स्वर्गु गिलक ॥ अद्वानमान ॥ दिशि ॥

ग ॥ बलाहू ध्या गसा ॥ थिल हानग ॥ स्वर्गु कस ॥ यन्थ
ग ॥ ऊजमान ॥ अस्मिन्निधौ ॥ चिग ॥ स्नान ॥ आगनन ॥ थम्
गय ॥ आत्मनन चन्दनतम ॥ आत्मनन ॥ पूषीतम ॥ सूर्या
य याचक ॥ अग्नादि ॥ दानयग ऊजमानस्य ॥ श्री ३३ यचः
धुमदि ॥ उग्रविजय स्नायधन ॥ अस्मिन्निधौ निमित्ताथ ॥ श्री

सूर्यातिमिरहालकाय । अर्घ्य आचममयीये किं न्दमहाय
निकुखादा ॥ स्वातनन ॥ नागमैरुवमैर्यादि ॥ पूषणा
जन ॥ गुत्रमधुल ॥ लेखवलि ॥ सिन्धुग ॥ स्वआत्मायदे
गुदि ॥ मालसाकलन्यास ॥ गहायुनिपूजा ॥ उंगहाय
गयतम ॥ उंगहाधिपगयतम ॥ उंगहाधेनायतम ॥

गैगहायगयतम ॥ पैचयदानपूजा घंठा मुनि ॥ रुचैवया
दि ॥ हाग्वत केक ॥ दाहं स पैचायदानपूजा ॥ ॥ की
रुन्या ॥ यथाविधि ॥ कलहा न्यास ॥ उंगै अंगुष्ठा ॥ जीग
ऊन्या ॥ श्रीमक्षमा ॥ को ॥ नामिका ॥ को ॥ कति ॥ को ॥
सर्वांगुल्या मूढि ॥ तथा श्रीगं न्यास ॥ रगवर्गिमक्तन ॥ मिचया

विजयिण्य ॥ वाङ्मयिखम् सिद्धिंश्च युगलम् कनारुवम् ॥
सुम्मादिदसुम्मादि गावडग्रन्थिना रव ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो
श्रीं श्रीं श्रीं ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ध्यान ॥ गगनवतिमिवा ॥
गङ्गासुखलुका नारायण ॥ सुयकोटिं समुद्रा ॥ यीनवत्कस्तनाः
सागम् ॥ विष्णोवावात्रुहासिनि ॥ किरीटिकुल्ला ॥ कयूनाम ॥

नीनायूना ॥ वल्लमालाविचित्रं हारमालाविशुषिण ॥ अष्ट
दशसुर्जकाका दिव्यवस्त्रीगुष्मिण ॥ स्वप्नवानगथचर्क
स्वप्नीकृष्णवनाधनं उमत्रुसूत्रयागैत्र दक्षिणविनाजिर्
॥ रुर्लधनगजघर्षु पाण्डेगङ्गातातथा ॥ स्वप्नीगदेषकृष्ण
सु ॥ विदूरुक्तचवामर्क ॥ सिद्धसनसमात्रु ॥ महिषासादगङ्गा

नी महिषामत्रनिह काच सवदखविनासतः । षष्ठीषां
 ६। रुक्माच खट्वांगदमत्रपिना । उद्रचक्षुषचक्षुषचक्षुः
 (क्षुषाचक्षुषनायिका । चक्षुषचक्षुषनि (क्षेच चक्षुषचक्षुष
 चक्षुषीका । लाचनाग्रनाक्षुषनि लाक्षुषक्षुषमीका ॥
 यीगमुपाक्षुषाक्षुषा अलिहक्षुषाक्षुषिगध ॥ क्षुषयक्षुषीलास

लक्ष्मी, महाशिवगणितनामकम् ॥ ॥ शुभं नमो
 त्रिलोक्ये, महाकाव्यायती, श्रीवारुणं, उक्तं श्रीमद्वि
 काव्यायती, सप्तलोक्ये श्रीवराहेश्वरिण्युक्तं रुद्रस्वाहा
 ॥ ॥ ॥ उक्तं श्रीवराहेश्वरिण्युक्तं रुद्रस्वाहा
 यैकान्ते, एकवक्त्रविम्बानात्, ब्रह्मनालसप्तप्रशं
 यन्तयाननसैकासै, कोटिसूयसप्तप्रशं ॥ ॥ द्वादश

गुजरी गुंवांगी, महिषासुरमर्दिनी, खम्भवातग
धामकि, गिम्नबा, कपायकी, दन्दि, लतधूताग
ग, वा मन्त्रिय, लयै, लुटकी, धन, श्रीकृष्णपाठ
कृष्णलविद्वज, आधुर्मकटी, वर्य, लक्ष्मीकाल
रुषिगी, ॥ सिद्धावृद्ध, दुष्टा, मी, नक, ३, मृगयलाच
नै, धाम, गंगकाया, वि, क्रि, को, ल्या, यंती, नमो, ३

ग॥ ३ ॥ लंगवनिवाम, गुमठवनि, आवादान
॥ उं, ली, मो, सिद्धि, गुमठवनी, मूल, लवाक, अवन, शी
यै, हूँ, रुट, स्वाहा, ॥ ध्यान ॥ उं, गुमठवनी, मो, यागा
जति, विने, लवि, गुहार, जवा, सिन्धु, नर्म, कामै, मधाल
का, गुषि, ॥ १, का, ली, गुला, यल, शो, डी, गुग, पीत
यया, धना, ॥ सिद्धा, मन्त्र, हिता, दवी, मूल, माला, वि, गुष

ली॥ कन्याकाकामत्रायन्था यद्वावर्षसमयगा म
श्रादण्युजादिव्या जेलाकवसधानेदी॥ स्वप्ने
गोकिगधवाने जीकुहा मगनरुधु वडीववमना
काव्य वज्रभूलकुदन्दिना रुटकोपाहागुलिउ
गऊनीदप्यहसुधु धजउमवैगुने काईचेव
कुवामर्क॥ नवशिवनर्मयनी प्रयालीरासनी

रुनी (रावयनसगदीतीली रुमध्वनीनमात्र
नम॥ ॥ धूप ॥ रुगवानशी डयुवधु रुद्रा
नीकाय विद्यावाज्यादिशी नीलीजन॥ उरु
रुद्र उयुवधुयु सवविप्रमाला नरुस्मिंकु नरुय
रु॥ सवप॥ उरु सवकुगवकुगमीने गभानिकुन
रुद्रु॥ यूप॥ उरु सवावलनी मलानयनयरु

रुट ॥ मृत्तिका ॥ यन्मृत्तुस्तान्मेरावान्
शकैष शकुरुट ॥ ७ काजदेन ॥ ॐ अग्नि आचमने
यदि ॥ स्वाहा ॥ ॐ आ कालमृत्तुयादि ॥ वनिज
३२ मेरायादि ॥ ॐ आ मृत्तुवदने ॥ ॥ स्नान ॥ य
मेगले ॥ यादि ॥ कलसजले ॥ ॐ गां ओं स्वर्द्ध ॥ य
यामृग ॥ यि ॥ सुसाहि यादि ॥ चूर्द्धुक्त ॥ ॐ

ॐ ॐ नृद च ॥ यादि ॥ मृत्तु ॥ ॐ यथाहिया
दि ॥ मेखादक ॥ विवृदने ॥ यतिविम्वर्या
दि ॥ ॥ गन्धप्रयत्न ॥ ॐ दैर्गयत्रिमेगन्धयादि ॥
॥ सिद्ध ॥ ॐ विप्रविप्रश्चनीनीच ॥ अत्रिक्तुदनकात्की
मिद्धि सिद्धिप्रदाता ॥ सिद्धप्रतिगृह्णता ॥ यद्वायः
विग ॥ यद्वायः ॥ नमामिहकृष्ण

वयूजथा
ताथसुचिरुड
उं स्वस्तिवकुनगी एयादि५॥
थनउं गथा ददामिध्या ध्वंमहे यगिगुक्ता यथासुखे
॥ नववय ॥ नवडी एयादि५॥ धूर्ये ०० दीनयुनमीधूर्ये
एयादि५॥ समयादिक्काय ॥ पूष्ये न्योस ॥ उं न ॥

सोमं धूमं धूमं धूमं ॥ जं कं मां ॥ उं हं रुं दं यं वं लं
 नमः स्वाहा ॥ उं ह्रीं दुं गं दिं वं नमः स्वाहा ॥ उं सिं सिं
 हासं तां यं नमः स्वाहा ॥ उं वं रुं दं यं वं लं
 हा ॥ उं हं रुं दं रुं कं यं नमः
 जायं रुं नमः स्वाहा ॥
 हा ॥ उं नं कीं

ॐ श्रीगणेशाय नमः
 ॐ श्रीगणेशाय नमः
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 म. वा. यव. सु. ग. न. यथाकाम. डि.
 नमः ॥ स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 रुद्र. को. मा. य. नमः ॥ स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ उँ हँ रुट् वा नमः ॥ उँ यँ रुट् ॥ उँ नमः ॥
॥ उँ यँ रुट् वा नमः ॥ उँ यँ रुट् वा नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥

॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥
॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥ उँ रुट् मलाल नमः ॥

॥ ॥ डूकन ॥ ॐ ह्रीं लादिलाकपात्रयादि ॥ वै ॥
 ला ॥ ॐ ॥ मृति ॥ ॐ डेयचलुमला मूंदूजी नूदचलु
 प्रचलुका च ॥ ॐ ग्राचलुना यिकाचलु चलु वगिरु
 थ ॥ चलुनूपा मृगिचलु ॥ नवदूजी या कृतिना निपू
 दु योहीदिना ॥ यथ नमस्तु यनमोश्चनी ॥ ॥ गयेला ॥
 ॐ अं नूदचलु ॥ ॥ गंगा श्रीजनसाधने ॥ पाप

द्वेन सनादमि चयमकु ॥ ॐ ॥ श्रीजनसाधने ॥ ० ॥
 वहिगलसर्वदेवा यापूजयत ॥ ॥ गंगाजाप ॥ वैचम
 एका ॥ सुभ्र श्रीकांत आचार्युत ॥ वैचम गृहिततु
 य ॥ ॐ ह्रीं डेयचलुमला यहूद ॥ ॥ यधमा
 यादि ॥ ॥ यथागवलिरावता ॥ यैकालनवायूम
 लुनायिनित्रैकात्रलगिकालाग्निमधुर्ल ॥ गदूयनिव

निगावंतं लुं ॥ अंकं च ठं तै यं यं मं, विजमै जा ग द ध नि
 वृषि न म न्न अक्तमाला, पिष्टक, पै च प ना का म न्न मि न्ध
 न्द ना औ त र क्ता दि प चामृ ग, पै च प दि पा दि, य नि प
 नि तं । ग नी प नि य वि ज मै जा ग अ णि गी म्म दि गे न वा
 मा न्द का दृ द्द ता ग म द्या दि, द म्म दि द्द ता क्क व रि त्त
 वी न वी न म्म वी, क्क ना म्म ग मा नि य । ॐ अ ४ द्द य क्क

७ प्रविष्टं चिन्तयत् ॥ वालि अधिका त एगवूठ
मूढादर्श यत् ॥ वैद्य पद्मा नृपुजा ॥ ला क पान म
डा ॥ पञ्चभग पूर्व व्याज ॥ वैद्या पद्मा नृपुजा मुनि ॥
॥ वलिमाला ॥ उड्डी नीलजी मूरु मेका भी घान द्यु र
या नर्क उड्डी कभी विनू पा न्द्र गे पाल हृद दूदन । रुण
रुहि वलि धिति गृह्ण २ रुन २ दरु २ पच २ ख २ खा

ॐ

[illegible]

॥ अं जमा नम लुल धिलर्कः मुनि वा कुर्याय ॥ शुभा
॥ उं स्वर्ग साधु नमः ॥ उं जी इ इ नमः ॥ सुमय पद्मल
२ स्वादय २ हं रुद्र स्वाहा ॥ स्वाने गतो ॥ श्री सपूजा ॥

१ नयाय ननिनाय उ स आ न धला १ गि उ व न वा मा
ह ज यि म ह ॥ ॐ न मा श्री व ज स हा य म ह स हा य म ह
ह व ह म ह श स न या स मा धि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

10



0 cms.

5

10

15

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

